वाणिज्य में स्नातक
(बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2021–22

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य

2021—22

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं। खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं। खण्ड - ग में दो अतिलघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2021 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें अक्टूबर 2021 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो जून 2022 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे उसको 15 मार्च 2022 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2021- 22**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. आर्थिक प्रणाली से आप क्या समझते है ? विभिन्न आर्थिक प्रणालियों के संबंध में उनके आनुक्रमिक कर्म में चर्चा करें। **(4, 6)**

2. आय का प्रभाव, स्थानापत्ति प्रभाव तथा कीमत प्रभाव का चित्रों की सहायता से वर्णन कीजिए। वह विधि भी बताइये जिसके द्वारा कीमत प्रभाव को आय तथा स्थानापत्ति प्रभावों में विभाजित किया जा सकता है ? **(6, 4)**

3. नियत और परिवर्ती आगतों के बीच अंतर बताइए ? उत्पादन के सिद्धांत में इस अंतर का क्या महत्व है। **(6, 4)**

4. आय की असमानता का क्या अर्थ है ? कम विकसित देशों में आय का वितरण विकसित देशों में आय के वितरण से कैसे भिन्न है ? **(4, 6)**

5. सीमांत उत्पादिता सिद्धांत समझाइए। इसकी पूर्व धारणाएँ भी बताइए। **(4, 6)**

खण्ड – ख

6. प्राय: प्रत्येक आधुनिक अर्थव्यवस्था गतिशील होती है। इसके कारण बताएं। **(6)**

7. स्थानापत्ति और आय प्रभावों के बीच के भेद का प्रयोग करते हुए माँग के नियम के अपवादों का स्पष्टीकरण करें। **(6)**

8. किसी वस्तु की पूर्ति के विभिन्न निर्धारकों को स्पष्ट कीजिए। **(6)**

9. एकाधिकारी किसे कहते है ? यह पूर्ण प्रतियोगिता से किस प्रकार भिन्न है ? **(6)**

10. क्लासिकी अर्थशास्त्रियों ने विभिन्न कारकों के बीच आय के वितरण को किस प्रकार समझाया ? वर्णन कीजिए। **(6)**

खण्ड – ग

11. "न्यूनता सभी आर्थिक प्रणालियों की जननी है" व्याख्या कीजिए। **(5)**

12. माँग की कीमत लोच को जानने के लिए व्यय प्रणाली के संबंध में चर्चा करें। **(5)**

13. एकाधिकारी प्रतियोगिता की संकल्पना को भली भांति स्पष्ट करें। **(5)**

14. सम सीमांत उपयोगिता नियम का आलोचनात्मक परीक्षण करें। **(5)**